प्रवेशिकाएँ

- द्विभाषिक
- रचनात्मकता को बढ़ावा
- सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन
- वर्ण की पहचान और उनके उच्चारण में सहायक
- स्थानीय चित्रों और तुकबंदियों से सुसज्जित
- लेखन अभ्यास के पर्याप्त अवसर

हम से जुड़ें
ncert.nic.in/primers.php

क्यूआर कोड

प्रवेशिकाएँ यहाँ भी उपलब्ध
https://diksha.gov.in/fln.html

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT)
श्री अरबिंद मार्ग, नई दिल्ली -110016

टेलीफ़ोन: 011-26962580, फैक्स: +91 112686 4141
ईमेल: jdciet.ncert@nic.in, jointdirector@ciet.nic.in
वेबसाइट: ncert.nic.in | ciet.ncert.gov.in

शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
MINISTRY OF EDUCATION
Department of School Education & Literacy

भारतीय भाषाई प्रवेशिकाएँ

भारतीय भाषाओं के संवर्धन एवं प्रोत्साहन हेतु एक पहल...

मातृभाषा के साथ एक और भाषा सीखने का सुनहरा अवसर

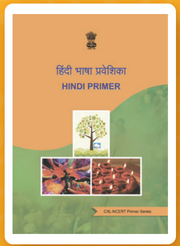

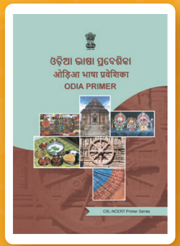

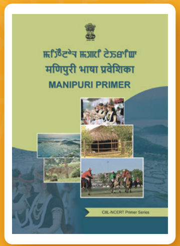

प्रवेशिकाएँ:

सरलीकृत

प्रवेशिकाएँ जो सरल एवं स्पष्ट भाषा में विकसित की गई हैं, वे विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षुओं और पाठकों के लिए उपयुक्त हैं।

मूलभूत

प्रवेशिकाएँ मूलभूत सिद्धांतों पर केन्द्रित हैं, जो बुनियादी स्तर की शिक्षा के लिए दृढ़ आधार प्रदान करती हैं।

शैक्षिक

प्रवेशिकाएँ जो विशिष्ट अधिगम क्षेत्रों में सहायता प्रदान करने हेतु निर्मित की गई हैं, एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा— बुनियादी स्तर 2022 की दृष्टि से संरेखित हैं।

भाषा मनुष्य की सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह न केवल किसी समूह की पहचान को परिभाषित करती है, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज्ञान के संचार का प्रभावी माध्यम भी है। भाषा के माध्यम से ही सभ्यता का विकास होता है और मनुष्य उन्नत अवस्था तक पहुँचता है।

भारत की जनगणना भाषा संबंधी आँकड़ों का सबसे समृद्ध स्रोत है। जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में कुल 121 भाषाएँ प्रचलित हैं, जिनमें 22 अनुसूचित तथा 99 गैर-अनुसूचित भाषाएँ शामिल हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्य को पूरा करने के लिए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने भारतीय भाषाओं में प्रवेशिकाओं के निर्माण की पहल की है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा— बुनियादी स्तर (एनसीएफ-एफएस) 2022 तथा स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एनसीएफ-एसई) 2023, विद्यालयी शिक्षा के सभी चरणों में शिक्षण-अधिगम के लिए बच्चे की मातृभाषा/क्षेत्रीय भाषा के उपयोग को प्राथमिकता देती हैं। राष्ट्र की सभी भाषाओं में अधिगम संसाधन उपलब्ध कराकर, बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सुदृढ़ किया जा सकता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT), नई दिल्ली; भारतीय भाषा संस्थान (CIIL) मैसूरु और ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (CUO) के अथक प्रयासों से इन भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं को विकसित किया गया है।

प्रवेशिकाओं की विशेषताओं का परिचय

ध्वन्यात्मक परिचय | वर्ण माला | पठन अभ्यास | लेखन अभ्यास

भाषाओं की दृष्टि से भारत एक समृद्ध राष्ट्र रहा है जहाँ विभिन्न क्षेत्रों में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, शिक्षा में बहुभाषिकता की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करती है। मातृभाषा या स्थानीय भाषा में अध्ययन से बच्चों की समझ गहरी होती है और वे अपनी संस्कृति से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। भारतीय भाषाओं में शैक्षिक संसाधनों का निर्माण बहुभाषिकता को सुदृढ़ करेगा और विकसित भारत @2047 के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा। प्रवेशिकाएँ बच्चों को उनकी भाषा में ज्ञान प्रदान करती हैं और सभी मातृभाषाओं में अधिगम सामग्री उपलब्ध कराने का माध्यम बनती हैं। ये प्रवेशिकाएँ पठन और लेखन के माध्यम से बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान विकसित करती हैं।

भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं का विकास क्रम....

भारत सरकार द्वारा बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए बाल वाटिका और उल्लास (ULLAS-Understanding Lifelong Learning for All in Society) जैसी पहलें प्रारंभ की गई हैं। बहुत से बच्चों को विद्यालयों में प्रयुक्त भाषा को समझने में कठिनाई होती है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के गत्यात्मक मार्गदर्शन में एनसीईआरटी (NCERT), भारतीय भाषा संस्थान (CIIL), मैसूरु; ओड़िशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (CUO), कोरापुट द्वारा भारतीय भाषाई प्रवेशिकाएँ विकसित की गईं और यह सुनिश्चित किया गया कि ये प्रवेशिकाएँ बहुभाषी कक्षाओं को प्रभावी बनाएँ।

चरण 1

2 भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं (देसिया और कुइ) का 17 अगस्त 2023 को वित्त मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विमोचन किया गया।

चरण 2

52 भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं का 9 मार्च 2024 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विमोचन किया गया।

चरण 3

25 भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की चौथी वर्षगांठ के शुभ अवसर पर 29 जुलाई 2024 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विमोचन किया गया।

चरण 4

25 भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं का भारतीय भाषा उत्सव के अवसर पर 11 दिसंबर 2024 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विमोचन किया गया।

चरण 5

13 भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं का 19 मई 2025 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विमोचन किया गया।

चरण 6

4 भारतीय भाषाई प्रवेशिकाओं का 1 सितम्बर 2025 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के 65वें स्थापना दिवस के अवसर पर शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विमोचन किया गया।